

## बिहार में जैविक कॉरिडोर योजना की अवधि बढ़ी

### चर्चा में क्यों?

9 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के 13 जिलों में चल रही जैविक कॉरिडोर योजना की अवधि का वसतिार कर दिया गया है। अब यह योजना 2025 तक चलेगी।

### प्रमुख बिंदु

- वदिति है की पूरव में जैविक कॉरिडोर योजना की अवधि 2022-23 तक थी।
- जैविक कॉरिडोर योजना के तहत नेशनल प्रोग्राम ऑन ऑर्गेनिक प्रोडक्शन (एनपीओपी) के मानक के अनुरूप राज्य के चयनित 13 जिलों में कुल 20 हजार एकड़ को पूरण रूप से जैविक क्षेत्र बनाया जाएगा।
- ज्जातव्य है की गंगा नदी के किनारे स्थिति पटना, बक्सर, भोजपुर, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, बेगूसराय, लखीसराय, भागलपुर, मुंगेर, कटहिर व नालंदा को जैविक कॉरिडोर बनाए गए हैं। जैविक कॉरिडोर को जल-जीवन-हरियाली का महत्त्वपूर्ण घटक बनाया गया है।
- जैविक खेती को क्लस्टर के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा। इसके तहत कृषि पारिस्थितिकी प्रणाली प्रबंधन द्वारा मटिटी की स्वास्थ्य व गुणवत्ता का संरक्षण, हानिकारक पदार्थों से दोषमुक्त रखा जाएगा। किसानों को आधारभूत संरचनाएँ भी उपलब्ध कराई जाएगी।
- वर्तमान में इन जिलों में 17507.363 एकड़ में जैविक खेती की जा रही है। बिहार राज्य जैविक मशिन इसकी मॉनीटरिंग कर रहा है।
- इस योजना के तहत खेती करने वाले किसानों को प्रथम वर्ष 11500 रुपए प्रति एकड़ अनुदान के रूप में दिया जाएगा। साथ ही दूसरे व तीसरे वर्ष में 6500-6500 रुपए प्रति एकड़ अनुदान मिलेगा।
- इस योजना के तहत कॉमन फेसिलिटी सेंटर का नरिमाण किया जाएगा। 75 फीसदी अनुदान पर आइसोलेटेड वैन, रेफ्रिजरेटेड वैन की सुवधि दी जाएगी। एजेंसी के माध्यम से जैविक उत्पादों की मार्केटिंग भी की जाएगी। इससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मलि सकेगा।
- राज्य के 38 जिलों में वर्षिमुक्त अन्न का उत्पादन करने के लिये जैविक प्रोत्साहन योजना चलाई जाएगी। इसके तहत फसलों की लागत मूल्य कम उत्पादकता में वृद्धि की जाएगी। ऐसा होने पर किसानों की आय में वृद्धि होगी।
- इस योजना के तहत किसानों को वर्मी कंपोस्ट, व्यावसायिक वर्मी कंपोस्ट यूनिट नरिमाण के लिये अनुदान मिलेगा। वर्मी कंपोस्ट के लिये लागत का 50 फीसदी या अधिकतम पाँच हजार रुपए प्रति यूनिट अनुदान मिलेगा।
- वही व्यावसायिक वर्मी कंपोस्ट नरिमाण के लिये अधिकतम 6.40 लाख रुपए अनुदान मिलेगा। व्यावसायिक वर्मी कंपोस्ट के लाभुकों को तीन कसितों में राशिका भुगतान किया जाएगा।